भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

अमर उजाला

दिनांक : 16.12.2018

तकनीक और साहित्य करेंगे विज्ञान की राह आसान

दो दिवसीय विज्ञान कथा सम्मेलन का उद्घाटन

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में शनिवार को 17वें विज्ञान कथा सम्मेलन के पहले दिन वक्ताओं ने विज्ञान के क्षेत्र में तकनीकी और साहित्य के समायोजन की चर्चा करते हुए इसकी भूमिकाओं को अहम बताया। निदेशक प्रो. पीके जैन ने कहा कि तीनों के साथ होने से तकनीकी समस्याओं के समाधान की राह आसान होगी और भविष्य की चुनौतियों के निस्तारण में भी मदद मिलेगी।

मालवीय उद्यमिता संवर्धन केन्द्र (एमसीआईआईई), विज्ञान कथा समिति बंगलूरू और फैजाबाद के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले 17वें सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए निस्केयर दिल्ली के निदेशक डॉ. मनोज पटेरिया ने विज्ञान के क्षेत्र में सर्वांगीण विकास के लिए सभी को आगे आने का आह्वान किया।

विज्ञान कथाकार डॉ. श्री नरहरि ने कहा कि विभिन्न भाषाओं में विज्ञान कथा का लेखन चल रहा है और इस दिशा में काफी हद तक सफलता भी मिली है। दक्षिण कोरिया से किम बो यंग और ली सिहयों ने दक्षिण कोरिया में हो रहे विज्ञान कथा लेखन के बारे में बताया।

विज्ञान कथाओं को कोरियाई भाषा में अनुवाद पर बेस्ट अवार्ड पाने वाली किम बो ने अनुवाद को लेकर अपने अनुभव भी लोगों से साझा किए। विज्ञान कथा लेखक संघ, फैजाबाद के डॉ. राजीव रंजन उपाध्याय ने हिंदी में विज्ञान कथा लेखन के इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर बोलते हुए भास्तेंदू हरिश्चंद्र, राहुल सांकृत्यायन, डॉ. सम्पूर्णानन्द, आचार्य चतुर सेन शास्त्री आदि की कृतियों पर प्रकाश डाला। एमसीआईआईई के समन्वयक प्रो. पीके मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अरविंद मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शनिवार को आईआईटी बीएचयू के गोपाल त्रिपाठी सभागार में मालवीय मूल्य उद्यमिता केंद्र की ओर से आयोजित साइंस कांग्रेस में बोलते डॉ. मनोज कुमार पटैरिया। अमर उजाला